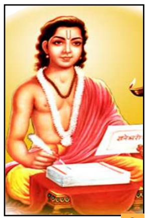

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 05 | अंक: 3 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, गुरूवार 7 मई, 2026 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

हाड़ौता-टांकरडा बाईपास के लिए 72 करोड़ की स्वीकृति, उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी का चौमूं में भव्य स्वागत

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओ ने किया स्वागत

चौमूं (संस्कार सृजन)

राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी का रविवार को चौमूं बाईपास पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में हाड़ौता टांकरडा बाईपास के लिए 72 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत करने पर आभार जताया गया आर चंद्रा रिसॉर्ट के सामने आयोजित स्वागत कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने फूलों का गुच्छा भेंट कर उप-मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया, वहीं महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने उन्हें राजस्थानी चुंदड़ी ओढ़ाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में समान रूप से विकास कार्य करवा रही है। उन्होंने कहा कि चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा लगातार चौमूं

क्षेत्र की जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिली है। चौमूं-दूदू मेगा हाईवे प्रोजेक्ट पिछले कई वर्षों से अधूरा पड़ा था। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने इस विषय में निरंतर संपर्क कर क्षेत्र के विकास हेतु इसे शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया था। परियोजना की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने 72 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं, जिसके तहत 4 किलोमीटर सड़क और एक रेलवे ओवरब्रिज (ROB) का निर्माण होगा। इससे क्षेत्र में ट्रैफिक की समस्या खत्म होगी और जनता को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा भी क्षेत्र में गोविंदगढ़ बधाल फोरलेन सड़क, रामपुरा से जयसिंहपुरा बाईपास सहित लगभग 500 करोड़ की सड़के स्वीकृत की गई है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का हाड़ौता टांकरडा बाईपास के लिए 72 करोड़ रुपए स्वीकृत किए जाने पर स्वागत किया गया है और इस बाईपास के निर्माण से आमजन को राहत मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं डिप्टी सीएम दिया कुमारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार विकास और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम में भाजपा गोविंदगढ़ देहात मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, कालाडेरा मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, बांसा मंडल अध्यक्ष शंकर गागोरिया, नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव, नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, पूर्व उपाध्यक्ष कालूराम जाट, जिला उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत, जिला कार्यालय मंत्री प्रकाश हाटवाल, जिला प्रवक्ता अरविन्द यादव, मुकेश चोपड़ा, अर्जुन यादव सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

इंस्पिरेशनल पीपल ऑफ इंडिया सम्मान से सम्मानित हुए उदयवीर सिंह यादव

जयपुर(संस्कार सृजन)। इंडिपेंडेंस इंडिया ऑनर फाउंडेशन द्वारा पूर्व नायक उदयवीर सिंह यादव को इंस्पीरेशनल पीपुल्स ऑफ इंडिया सम्मान दिया गया है। यह सम्मान पूर्व नायक उदयवीर सिंह यादव को समाज सेवा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। समाज के प्रति उनकी सेवा और समर्पण अतुलनीय है। हमें आशा है कि उनका यह योगदान समाज में एक नई विचारधारा जागृत करेगा, और बेहतर समाज व समृद्ध नए राष्ट के निर्माण में सहायक होगा। सेना, बैंकिंग और समाज सेवा - तीनों मोर्चों पर उदयवीर सिंह यादव का योगदान वाकई प्रेरणादायक है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया संभाग प्रभारी आकाश शर्मा का जन्मदिवस

जयपुर (संस्कार सृजन)। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के संभाग प्रभारी आकाश शर्मा का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय दंत शल्य चिकित्सा संघ के उपाध्यक्ष डॉ. राहुल कुमार शर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं केक कटवाकर उन्हें जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

डॉ. राहुल कुमार शर्मा ने आकाश शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन निरंतर प्रगति कर रहा है और कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिल रही है। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी जन्मदिवस को उत्साहपूर्वक मनाया और आकाश शर्मा के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान केक कटिंग की गई तथा सभी ने मिलकर खुशी का इजहार किया। उपस्थित जनों ने कहा कि आकाश शर्मा का समर्पण एवं नेतृत्व संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया आधुनिक भारत के निर्माता 'नेहरू, इंदिरा और राजीव गांधी'' पुस्तक का विमोचन

जयपुर (संस्कार सृजन)

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने सिविल लाईन्स स्थित निवास पर स्व.डा.सत्यनारायण सिंह, पूर्व आई.ए.एस. द्वारा लिखें गये करीब 800 लेखों में से 37 चयनित लेखों का संकलन आधुनिक भारत के निर्माता नेहरू, इंदिरा और राजीव'' पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर गहलोत ने स्व.सिंह के व्यक्तित्व प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट सेवा के प्रति सदैव समर्पित रहे। उनके प्रशासनिक सेवा काल में गरीब एवं असाहय लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी हीलों हुज्जत के मिलता था। वे स्वयं क्षेत्र का दौरा करते समय वृद्ध एवं असाहय व्यक्तियों को देय पेंशन का आदेश मौके पर ही कर दिया करते थे। उनके डाग विकास बोर्ड के कार्यकाल में भी डाग क्षेत्र का बहुत विकास हुआ। वे समय समय देश के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में समसामयिक लेख लिखते रहते थे। उनके लेखों का यह संकलन निश्चित रूप से आधुनिक भारत के नागरिकों को देश के विकास में पं. नेहरू, इंदिरा और राजीव द्वारा किये गये कामों से अवगत करायेगा। यह उनके लिए सच्ची श्रृंद्धाजलि होगी।इस अवसर पर प्रकाशन समिति के सदस्य डा सिंह के पुत्र डा.रिपुन्जय सिंह, उनकी पुत्र वधु डा. पुनीता सिंह, साहित्यकार फारूख आफरीदी, सनी सेविस्टीयन, अनिल सिंह, सत्येन चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री गोविन्द मेघवाल, राधेश्याम उपाध्याय, विजेन्द्रमिश्रा तथा सह सम्पादक हेमन्त शर्मा आदि उपस्थित थे। पुस्तक का प्रकाशन स्वच्छ नगर संस्था, जयपुर एवं डा. सत्यनारायण सिंह प्रकाशन समिति, जयपुर द्वारा किया गया है।

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी की जीत पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में मनाया विजय उत्सव

चौमूं (संस्कार सृजन)

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिले ऐतिहासिक, अभूतपूर्व और प्रचंड जनादेश का हर्षोल्लास चौमूं की सड़कों पर दिखाई दिया। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में नगर परिषद के बाहर भव्य विजय उत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव के दौरान कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों पर नाचते हुए जमकर आतिशबाजी की और भारत माता की जय व नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारों से आकाश गुंजायमान कर दिया। रामलाल शर्मा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं और आमजन को मिठाई खिलाकर इस विराट विजय की बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर जनसमूह को

संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा- यह ऐतिहासिक जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और विकसित भारत के संकल्प पर जनता के अटूट विश्वास की मुहर है। देश की जनता ने तुष्टिकरण, भय और नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह नकार दिया है। यह विजय केवल एक राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आशाओं और आकांक्षाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है।

उन्होंने इस जीत का श्रेय गृहमंत्री अमित शाह एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कुशल मार्गदर्शन, सशक्त संगठनात्मक क्षमता और कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम को दिया। साथ ही अपने सांगठनिक अनुभव को साझा करते हुए शर्मा ने बताया कि पार्टी के निर्देशानुसार उन्हें पश्चिम बंगाल में एक माह तक प्रवास करने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा - बंगाल प्रवास के दौरान मैंने व्यक्तिगत रूप से देखा कि वहां की जनता TMC के भ्रष्टाचार और भय के शासन से त्रस्त थी। जनता के मन में सोनार बांग्ला और भयमुक्त बंगाल बनाने के लिए भाजपा के प्रति एक जबरदस्त लहर थी, जो आज परिणामों के रूप में सामने है। रामलाल शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक समर्पित कार्यकर्ता के अथक परिश्रम को नमन करते हुए इस जीत को लोकतंत्र की विजय बताया।

इस विजय उत्सव के दौरान भाजपा नगर मंडल के बाबूलाल सैनी, नगरपालिका अध्यक्ष आशीष दुसाद, पूर्व उपाध्यक्ष कालूराम जाट, जिला उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत, मुकेश चोपड़ा, रामावतार अग्रवाल, रामलाल चोपड़ा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष बजरंग लाल सोनी, प्रहलाद टेलर, महेश शेरावत, मुकुल अग्रवाल, राजेंद्र फौजी, धर्मेन्द्र बंजारा, संदीप कुमावत, बाबूलाल कुमावत, मदन गोरा, जितेंद्र सैनी, मोहन लाल यादव, सुभाष शोकिल, मनोज बागोरिया, राजेंद्र प्रजापत, अमित सैनी, चेतन सैनी, मोहन जलुथरिया, माहिर गोरी, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, पार्षदगण और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

भाजपा से मात खा गई ममता

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस तिहाई तक भी नहीं पहुंच सकेगी, यह शायद ही किसी ने सोचा था। इस चुनाव में 'बदला' बनाम 'बदलाव' का नारा था और जनादेश बता रहा है कि लोगों ने 'बदलाव' को चुना है। चूंकि अब तक ममता बनर्जी अकेली भाजपा से मुकाबला करती नजर आ रही थीं, इसलिए इस मजबूत क्षेत्रीय ताकत के कमजोर पड़ने का असर 2029 के लोकसभा चुनाव पर पड़ना लाजिमी है। भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत के संकेत दूरगामी होंगे। पूर्वी भारत में ओडिशा और बंगाल ही दो ऐसे राज्य थे, जहां तमाम कोशिशों के बावजूद पार्टी पैठ नहीं बना पा रही थी, पर उसने पहले ओडिशा का मोर्चा फतह किया और अब बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के मजबूत किले में सेंध लगाते हुए पंद्रह साल से राज कर रही ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया है।तृणमूल कांग्रेस से पहले वाममोर्चा ने लगातार 34 साल पश्चिम बंगाल पर राज किया था। ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस यहां वाममोर्चा का रिकॉर्ड तोड़ने का सपना पाल रही थी, लेकिन बीते दस साल से मजबूती से उभरी भाजपा ने 2021 की गलतियों से सबक लेते हुए भारी जीत के साथ उसके मंसूबे पर पानी फेर दिया।आखिर ममता बनर्जी की हार की वजह क्या रही? चुनाव से पहले तमाम आकलन बता रहे थे कि भाजपा संगठनात्मक तौर पर तृणमूल कांग्रेस के मुकाबले कमजोर है और उसके पास ममता बनर्जी के स्तर का कोई चेहरा नहीं है। इतना ही नहीं, तमाम विश्लेषक तृणमूल कांग्रेस और भाजपा में कांटे की टक्कर होने के कयास लगा रहे थे। ऐसे में, तृणमूल कांग्रेस की यह दुर्गति शोचनीय है।मतदाताओं का गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर इस चुनाव का बड़ा मुद्दा रहा। तृणमूल नेताओं ने इस मुद्दे पर आक्रामक प्रचार अभियान चलाया था। कयास लग रहे थे कि एसआईआर के दौरान भारी तादाद में कटे नामों ने सरकार के खिलाफ सत्ता-विरोधी रुझानों की काफी हद तक भरपायी कर दी है। किंतु चुनावी नतीजों ने इस आकलन को गलत साबित कर दिया है। एसआईआर के दौरान कटे नामों ने तो तृणमूल कांग्रेस के समीकरण बिगाड़े ही, भाजपा को पार्टी के दूसरे बड़े महिला वोट बैंक में भी सेंध लगाने में कामयाबी मिली है। पहले कहा जा रहा था कि लक्ष्मी भंडार जैसी योजना के कारण ममता को इस मोर्चे पर बढ़त मिली है। किंतु इस बार यह वोट बैंक तो बिखरा ही, मुस्लिम वोट बैंक भी बिखराव का शिकार रहा।ममता की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति को अपना चुनावी मुद्दा बनाने के कारण भाजपा को तृणमूल के खिलाफ गैर-बंगाली और बंगाली हिंदू वोटरों को लामबंद करने में मदद मिली, खासकर शहरी इलाके के वोटरों में सरकार के खिलाफ काफी नाराजगी थी और उनमें ध्रुवीकरण सबसे ज्यादा देखने को मिला। तृणमूल कांग्रेस का मजबूत गढ़ समझे जाने वाले शहरी इलाकों के नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं।भाजपा ने अपने अभियान में सीमा पार घुसपैठ के अलावा सरकार के भ्रष्टाचार को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया था। तृणमूल कांग्रेस से मुकाबले के लिए पार्टी इस बार ममता बनर्जी पर सीधा हमला करने से परहेज करती रही। इसके साथ ही वह ऐसी किसी टिप्पणी से बचती रही, जो बांग्ला अस्मिता को ठेस पहुंचा सके। इसी वजह से वह इस बार 'जय श्री राम' की बजाय 'जय मां काली' के नारे ही ज्यादा लगाती नजर आई।श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि होने के कारण इस बार का चुनाव भाजपा के लिए नाक और साख का सवाल था। उसे लग रहा था कि अगर इस बार चूक गए, तो शायद दोबारा ऐसा मौका नहीं मिलेगा। यही वजह थी कि उसने महीनों पहले से अपनी रणनीति बनाते हुए इस बार तमाम संसाधन यहां झोंक दिए थे। भारी तादाद में केंद्रीय बलों की तैनाती के कारण दशकों में पहली बार राज्य में कोई चुनाव हिंसा-मुक्त रहा और लोग निडर होकर मतदान के लिए घरों से निकले। यह जीत वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए एक लॉन्च पैड की भूमिका निभाएगी। इससे यह भी साफ हो गया है कि इस बार लक्ष्मी भंडार जैसी सरकारी योजनाएं महिलाओं को लुभाने में नाकाम रही हैं। दरअसल बीते करीब पांच साल से चल रही इस योजना के तहत महिलाओं को हर महीने निश्चित रकम मिलती रही है, लेकिन पुरानी योजना होने के कारण शायद इस बार इसकी चमक कम हो गई है।बंगाल के जानकार यह भी मानते हैं कि तृणमूल कांग्रेस खुद भी इस हार की जिम्मेदार है। वह शायद अति आत्मविश्वास की शिकार थी और उसे लग रहा था कि एसआईआर ने उसकी सरकार के खिलाफ 'एंटी-इनकंबेंसी' की लहर को काफी हद तक खत्म कर दिया है। इसके अलावा लोगों के मन में चुनाव बाद बड़े पैमाने पर हिंसा की भी आशंका थी।

इस साल शनि वक्री हो या अस्त राहु और शनि के कारण पूरे साल इन दो राशियों के लिए बदलाव होंगे, क्या-क्या झेलना होगा

यह साल किसी भी राशि के लिए कितना भी अच्छा हो, लेकिन ये दो राशियों तो साल भर परेशान रहेंगी। इन राशियों के लिए इस साल के आखिर तक परेशानी वाले दिन इंतजार कर रहे हैं। वजह साफ है शनि और राहु के केतु के कारण। जिन राशियों में ये दो छाया ग्रह होंगे और साथ में शनि भी बैठा होगा, तो फिर ऐसी राशियों के लिए परेशानी खत्म होने का नाम नहीं लेंगी। हम जिन राशियों की बात कर रहे हैं, वो हैं कुंभ और सिंह। आइए जानते हैं कि इन दो राशियों के लिए क्यों परेशानियां आएंगी और इन राशियों की लाइफ पर क्या असर होगा।

आइए जानते हैं हम किन राशियों की बात कर रहे हैं? इन राशियों में सूर्य के स्वामी वाली सिंह राशि है और एक शनि के स्वामी वाली कुंभ राशि है। दोनों के लिए दिक्कतें इसलिए भी हैं, क्योंकि सिंह राशि पर शनि की ढ़ैय्या चल रही है, वहीं कुंभ पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है। दूसरा कारण है कि सिंह राशि में केतु बैठें हैं, केतु और शनि के कारण इस राशि के लोग साल के आखिर तक परेशान रहेंगे। अब दूसरी राशि की बात करें तो इनमें शनि की कुंभ राशि है, जिसमें राहु बैठे हैं, इसलिए इस राशि में राहु और शनि एक साथ है, इसलिए इस राशि के लोगों के साथ भी परेशानियां कम होने का नाम नहीं लेंगी।

सिंह राशि पर क्या असर होगा? सिंह राशि के लिए धन और पैसों से जुड़ी चीजें हाथ से फिसलती हुई दिखेंगी। इस राशि के इनकम के साधन कम हो सकते हैं, आपके पास आता हुआ पैसा जताा हुआ दिखेगा, इसलिए फैसले सोच समझकर लें, जल्दबाजी ना दिखाएं। प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ में परेशानियां आएंगी, लेकिन आपको विचलित नहीं होना है, धैर्य, अनुशासन और ईमानदारी से काम करेंगे, तो सफल होंगे।

कुंभ राशि के लिए भी परेशानियां कम नहीं होंगी? कुंभ राशि के लिए दिक्कतें कम होंगी। इस राशि के इनकम वाले पार्ट पर असर तो होगा, साथ ही रिश्ते जो पहले से खराब हुए थे, वो भी अभी सुधरते नजर नहीं आएंगे। शनि और राहु आपकी बुद्धि को हर लेंगे, जिससे फैसले सही से नहीं ले पाएंगें। कुंभ राशि के स्वामी शनि है, इसलिए अनुशासित रहें, हनुमान जी की पूजा से दिक्कतें कम हो सकती हैं?

अमूल्य ज्ञान का बोध

✱ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✱ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✱ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✱ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1।.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✱ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✱ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✱ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✱ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✱ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✱ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

माली समाज विकास समिति की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

जयपुर (संस्कार सृजन)। माली समाज विकास समिति की कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को सैनी समाज सभा भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष हीरालाल सैनी ने की। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया, जिस पर सदस्यों ने विस्तार से चर्चा की। महामंत्री मदनलाल मालेरिया ने वर्ष 2025-26 की ऑडिट रिपोर्ट एवं आई टी आर व अन्य वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने की अनुमति मांगी, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। बैठक में वर्ष 2026 में आयोजित हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर भी चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि सम्मेलन का शीघ्र ही पूरा लेखा-जोखा तैयार कर आमसभा की बैठक बुलाई जाएगी, ताकि सभी सदस्यों की सहमति से आगे की योजना बनाई जा सके। बैठक में समाज के कई प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इनमें वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरजमल ठेकेदार, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष जयनारायण चंदेल, कोषाध्यक्ष कुमार गौरव सैनी एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक राधेश्याम तंवर, घीसालाल तंवर, दिनेश कुमार तिगरिया, मदनलाल सतरावला, रामचंद्र तुन्दवाल, उपाध्यक्ष गणेश नारायण बैनाडिया, कल्याण सहाय पापटवाण पूर्व सरपंच, प्रभाती लाल ठेकेदार, मदन लाल सैनी इटावा, अशोक रोलावण, ओम प्रकाश भगत, राजकुमार सैनी, श्रवण राई, डॉ. महेश सैनी,बीएल सैनी सहित अनेक सदस्य शामिल रह। बैठक का समापन समाज के विकास और एकजुटता के संकल्प के साथ किया गया।

जयपुर कल्चरल सोसाइटी की हम साथ साथ हैं संगीत संध्या 17 मई को

जयपुर (संस्कार सृजन)। जयपुर शहर की पहली रजिस्टर्ड आईएसओ सर्टिफाइड जयपुर कल्चरल सोसायटी संगीत प्रेमियों के लिए हम साथ साथ हैं ग्रैंड कराओके म्यूजिकल इवनिंग लेकर आ रही है । सोसायटी अध्यक्ष कंचन आनंद ने बताया कि रविवार 17 मई 2026 को शाम 4 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक गांधी पथ वेस्ट, वैशाली नगर, जयपुर स्थित होटल शुभ विलास में यह संगीत संध्या आयोजित की जाएगी । इसमें जयपुर म्यूजिकल कम्युनिटी के एडमिन और फाउंडर मुख्य रूप से परफॉर्मेंस देंगे।गौरतलब है कि सोसायटी अध्यक्ष कंचन आनंद लगातार नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर आगे बढ़ाने का काम करती हैं । आनंद एक एहसास संगीत संध्या के 8 सीजन सफलतापूर्वक संपन्न कर चुकी हैं ।

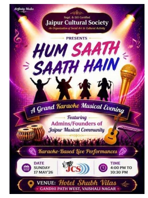

ध्वज पूजन के साथ लक्ष्मी नाथ जी के मंदिर में 10 मई से शुरू होगा झांकियों का कार्यक्रम

जयपुर (संस्कार सृजन)। शहर के आराध्य देव श्री लक्ष्मी नाथ जी के मंदिर में 10 मई से शुरू हो रही 6 दिवसीय वृंदावन धाम की तर्ज पर आधुनिक तकनीकी झांकियां के आयोजन को लेकर मंगलवार शाम को मंदिर परिसर में ध्वज पूजन व भगवान लक्ष्मी नाथ की फूल बांग्ला झांकी कार्यक्रम आयोजित हुआ।मंदिर पुजारी सांवरमल व गिरधारी लाल शर्मा ने बताया कि पंडित संजू शर्मा ने मंत्र उच्चारण के साथ समाजसेवी प्रहलाद सिंह, सुरेश विजयवर्गीय , गोविंद बजाज के द्वारा पूजा अर्चना करवाकर ध्वज स्थापना करवाई। साथ ही लक्ष्मी नाथ भगवान को नई पोशाक धारण करवा कर फूल बंगले की झांकी सजाई । इस मौके पर सुरेश विजयवर्गीय, शिक्षा विद् हजारीलाल शर्मा, कैलाश तिवारी, व्यापार मंडल के अध्यक्ष पवन सैनी, आचार्य रामस्वरूप शर्मा, युवा नेता अनुराग शर्मा , अनिल शर्मा, मनीष गोयल, सांवरमल शर्मा, विनोद बसोतिया, अशोक रेवडका, अशोक सिंगोदिया, महेंद्र शर्मा, कानू शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे ।

वृंदावन धाम की तर्ज पर यह सजाई जाएगी झांकियां- 10 मई को सेठों के सेठ सावरिया सेठ, गोवर्धन पर्वत झाँकी , 11 मई को श्री लक्ष्मीनाथ जी भगवान बनेंगे राधा रानी झाँकी, 11 मई को मथुरा वृन्दावन की तर्ज पर चंद्रयान झाँकी, 13 मई को श्री लक्ष्मीनाथ जी भगवान की एकादशी पर 3 क्विंटल मोगरे व वृन्दावन के फूलों से भव्य श्रृंगार तथा 56 प्रकार के फलों की झांकी, 14 मई को श्री लक्ष्मीनाथ जी भगवान बनेगे बाँके बिहारी व फलों के राजा आमों से भव्य झाँकी , 15 मई को श्री लक्ष्मीनाथ जी भगवान अमृतम झाँकी एवं उपहार वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा ।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष - काम सामने होगा, लेकिन मन उतना साथ नहीं देगा। पैसों को लेकर ज्यादा स्मार्ट बनने की जरूरत है । घर में किसी बात पर हल्की खटपट हो सकती है, लेकिन लंबा नहीं चलेगा। लास्ट में मूड सेट हो जाएगा, थोड़ा बाहर निकलना अच्छा लगेगा।

वृषभ - घर या परिवार से जुड़ी जिम्मेदारी आ सकती है । ऑफिस में ज्यादा भागदौड़ नहीं होगी । पैसे आते-जाते रहेंगे, लेकिन बैलेंस बिगड़ने न दे। रिश्तों में ज्यादा उम्मीद न रखें, जितना है, उसे ही ठीक से निभा लें।

मिथुन - आपका दिमाग तेज चलेगा और एक साथ कई काम उठाने का मन करेगा। पैसों को लेकर थोड़ा उतार-चढ़ाव रहेगा। दोस्तों से मदद मिल सकती है । रिश्तों में बात करना जरूरी है- चुप रहोगे तो सामने वाला अपने हिसाब से समझेगा।

कर्क - यह समय दिल और दिमाग के बीच का रहेगा। काम में ध्यान रखना पड़ेगा । घर में सब ठीक रहेगा, लेकिन आप खुद थोड़ा अंदर से उलझे रहोगे। पैसे को लेकर चिंता आ सकती है । बीच में किसी अपने से बात होगी, वही चीजों को थोड़ा साफ करेगी।

सिंह - आप थोड़ा आगे बढ़ने के मूड में रहेंगे। ऑफिस में नई जिम्मेदारी मिल सकती है । ओवरकॉन्फिडेंस से बचना है। पैसे ठीक रहेंगे, कोई छोटा फायदा भी दिख सकता है। रिश्तों में सुधार होगा । खुद को थोड़ा टाइम देना पड़ेगा।

कन्या - काम छोटा हो या बड़ा, गलती की गुंजाइश मत छोड़ना। जो सामने है, उसी पर ध्यान रखो। पैसे खर्च होंगे- जरूरी और गैर-जरूरी दोनों पर, इसलिए थोड़ा कंट्रोल जरूरी है। रिश्तों में सीधी बात करना बेहतर रहेगा। परिवार का सपोर्ट रहेगा ।

तुला - एक तरफ काम, दूसरी तरफ पर्सनल लाइफ। दोनों को साथ लेकर चलना पड़ेगा। शुरुआत में थोड़ा दबाव रहेगा, लेकिन आप धीरे-धीरे सेट हो जाओगे। पैसे न ज्यादा आएंगे, न ज्यादा जाएंगे- नॉर्मल रहेगा। किसी पुराने दोस्त से बात हो सकती है । रिश्तों में भरोसा बनाए रखना जरूरी है। छोटी बातों को दिल पर मत लो।

वृश्चिक - शुरुआत थोड़ी भारी है। काम का लोड और मन का प्रेशर साथ रहेगा। शांत रहना जरूरी है। किसी से उलझना ठीक नहीं रहेगा । पैसे को लेकर रिस्क मत लेना। किसी से बात करना मदद करेगा।

धनु - शुरुआत में ही कोई नई जिम्मेदारी या ऑफर आ सकता है। यात्रा का भी योग है-काम के लिए या अचानक प्लान बन सकता है। पैसे में फायदा दिखेगा, लेकिन खर्च भी साथ रहेगा। रिश्तों में सुधार होगा। किसी से नजदीकी बढ़ सकती है।

मकर - शुरुआत में ही कोई अधूरा काम सामने आ सकता है, जिसे टाल नहीं सकते। जिम्मेदारी बढ़ेगी और आपको थोड़ा दबाव महसूस होगा। पैसे को लेकर सोच-समझकर चलना होगा। घर में किसी बात पर चर्चा हो सकती है । रिश्तों में जल्दबाजी से बचें।

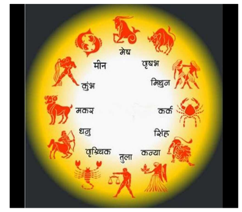

कुंभ - शुरुआत से ही चीजें आपके हिसाब से चलने लगेंगी। काम में प्रोग्रेस दिखेगी और आप नई योजना बना सकते हैं। पैसे ठीक रहेंगे। किसी खास इंसान से बात या मुलाकात हो सकती है । रिश्तों में भी पॉजिटिव बदलाव दिखेगा।

मीन - थोड़ा स्लो चलना ही सही रहेगा। शुरुआत में थकान या मन में उलझन महसूस हो सकती है। हर चीज तुरंत करने की जरूरत नहीं है। पैसे को लेकर सतर्क रहें । घर का साथ मिलेगा, वही आपको संभालेगा। रिश्तों में ज्यादा रिएक्ट न करें।

(कहानी) पारस पत्थर

बहुत पुरानी बात है एक किसान था उसके पास सैकड़ो एकड़ जमीन थी । किसान बूढ़ा हो चला था उसका एक लड़का था उसका नाम सुरेश था । एक दिन अचानक जमीदार की मृत्यु हो गई । अब सारी जमीन की देखभाल उसके लड़के सुरेश के ऊपर आ गई लेकिन सुरेश को खेती बाड़ी और मेहनत करना अच्छा नहीं लगता था । वह जल्द ही बहुत अमीर बनना चाहता था तभी किसी ने उसे पारस पत्थर के बारे में बतलाया । पारस पत्थर एक ऐसा पत्थर होता है जिसे किसी भी धातु से स्पर्श करने पर वह धातु सोना बन जाती है ।

सुरेश किसी भी कीमत पर पारस पत्थर पाना चाहता था । उसने पारस पत्थर ढूंढनें का बहुत प्रयास किया किन्तु उसे पारस पत्थर कहीं नहीं मिला । पारस पत्थर के लिए उसने कई लोगों से संपर्क किया किन्तु वह पारस पत्थर पाने में असफल रहा । आस-पास के ठगों को पता चल गया की सुरेश किसी भी कीमत पर पारस पत्थर पाना चाहता है, ठगों ने पारस पत्थर का लालच देकर सुरेश से लाखो रूपये ठग लिए ।

ठगों के बाद सुरेश ढ़ोंगी बाबाओं के जाल में फंस गया । ढोंगी बाबाओं ने भी सुरेश को लालच देकर बुत सा पैसा ऐंठ लिया । पारस पत्थर के लोभ में सुरेश को बहुत नुक्सान हुआ और उसे अपनी कई एकड़ जमीन भी बेचनी पड़ी । सुरेश की पत्नी हमेशा उसे समझाती कि इन सब बातों में मत पड़ो, अपने पास बहुत जमीन है उसी में खेती करो मेंहनत से भी किसी पारस पत्थर से कम नहीं है किन्तु सुरेश को तो पारस पत्थर की ही धुन सवार थी ।

एक दिन गाँव में बहुत पहुंचे हुए संत आये, सभी ने उन्हें अपनी समस्याएं बतलाई । सुरेश भी अपनी पत्नी के साथ उनसे मिलने गया और उन्हें अपनी समस्या बतलाई । संत सुरेश की बातें सुनकर मुस्कुराये और बोले में जैसा कहूँ वैसा ही करना तो तुम्हे पारस पत्थर अवश्य मिलेगा । संत की बात सुनकर सुरेश बहुत खुश और संत से बोला- कृपया कर मुझे वह तरीका बतलाएं जिससे मुझे पारस पत्थर मिल जाये । संत बोले - तुम्हे केले के पेड़ की पत्तियों के नोक पर जमा सुबह की ओस की बूँदें एक बर्तन में एकत्र करना है और जब तुम पांच लीटर ओस की बूँदें एकत्र कर लोगे तो मैं उसे अभिमंत्रित कर पारस पत्थर में बदल दूंगा । लेकिन याद रहे ओस की बूंदों में तुम पानी मिलाकर धोखा देने का प्रयास करोगे तो तुम्हारी पूरी मेहनत पर पानी फिर जायेगा और ओस की बूंदे पारस पत्थर नहीं बन पाएंगी।

प्रभाती लाल सैनी

यह काम बहुत कठिन था। सबसे पहले सुरेश ने अपनी कुछ जमीन पर केले के पेड़ लगाये । केले के पेड़ धीरे-धीरे बढ़ रहे थे किन्तु इतने पेड़ों से वह ओस की सिर्फ कुछ ही बूंदे एकत्र कर पा रहा था उसे लगा इतने केले के पौधों से पांच लीटर ओस एकत्र करने में तो उसे सालो लग जायेंगे । उसने फिर कुछ केले के पौधे और लगाये इस तरह करते करते उसने अपनी लगभग पूरी जमीन पर केले के पेड़ लगा लिए।

सुरेश अब इन केलों के पौधों को पानी देता और उनकी देखभाल करता था । दो साल की अथक मेहनत के बाद सुरेश पांच लीटर ओस के बूंदे एकत्र कर पाया और अत्यधिक प्रसन्न होकर साधू महाराज के पास गया और उन्हें पांच लीटर ओस की बूंदों से भरा बर्तन देते हुए बोला- साधू महाराज ! आपकी आज्ञा अनुसार मैने दो साल की अथक मेहनत के बाद ये पांच लीटर ओस की बूँदें एकत्र कर ली हैं । कृपया अब इन्हें पारस पत्थर में बदल दीजिये ।

साधू महाराज बोले- सुरेश तुम्हारी मेहनत सराहनीय है तुम्हें तुम्हारी मेहनत का फल अवश्य मिलेगा । कल जब तुम आओगे तो अपनी पत्नी को भी साथ लाना । सुरेश खुश होकर अपने घर चला गया और पत्नी को सारी बात बतलाई । दूसरे दिन दोनों पति-पत्नी जल्दी उठकर नहा-धोकर साधू के पास पहुंचे ।

साधू ने सुरेश को देखकर कहा - सुरेश ! मैंने ओस की बूंदों को पारस पत्थर में बदलने के बहुत प्रयास किया किन्तु मैं उन्हें पारस पत्थर में नहीं बदल सका।

यह सुनकर सुरेश बहुत उदास हुआ और साधू से बोला - आपके कहे अनुसार मैंने दो साल अथक मेहनत करके पांच लीटर ओस की बूंदे एकत्र कीं किन्तु मेरी मेहनत बेकार गई । आपने भी दूसरे लोगों की तरह मुझसे झूंठ बोला ।

सुरेश की बात सुनकर साधू बोले - बेटा ! मेहनत कभी भी बेकार नहीं जाती तुम्हारी पत्नी के हाथ में जो पोटरी है उसे खोलो ।

सुरेश ने उसकी पत्नी के हाथ में रखी पोटरी खोली तो देखकर दंग रह गया उसमें सोने-चाँदी के आभूषण और कीमती रत्न थे । साधू बोले - सुरेश ! ये तुम्हारी मेहनत का फल है जो किसी पारस पत्थर से कम नहीं है । सुरेश ने कहा - यह मेरी मेहनत का फल कैसे हुआ ।

साधू बोले - तुमने दो साल से मेहनत करके जो केले के पौधे लगाये थे, दो साल से उनमें फल भी लग रहे हैं किन्तु तुम्हारा पूरा ध्यान पारस पत्थर और ओस की बूंदों पर था और तुमने फलों पर ध्यान ही नहीं दिया किन्तु तुम्हारी पत्नी इन फलों को बाजार भिजवा दिया करती थी और ये सारे आभूषण और रत्न फलों की बिक्री से आये पैसों को बेंचकर खरीदे हैं ।

सुरेश ने मुस्कुराते हुए उसकी पत्नी की तरफ देखा और बोला - तुम सही थी जो हमेशा कहती थी की मेहनत से बड़ा कोई पारस पत्थर नहीं होता।

सुरेश साधू की तरफ हाथ जोड़कर बोला - आपनी मेरी आँखें खोल दीं ।अब मैं हमेशा मेहनत करूंगा और पैसा कमाने के लिए कोई शोर्ट-कट नहीं अपनाऊंगा।

सुरेश अब खूब मेहनत करने लगा और अपनी मेहनत से समाज में खोया रुतबा फिर से प्राप्त कर लिया ।

अजय चौहान बने मेघवाल समाज समिति के राष्ट्रीय सचिव

जालोर (संस्कार सृजन)। अखिल भारतीय रूणिचा बाबा रामदेव जी जन्मोत्सव मेघवाल समाज समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक रामरतन सामरिया ने जालोर जिले के सक्रिय कार्यकर्ता को देखते हुये अजय चौहान, गांव - सरदारगढ़, पोस्ट सामतीपुरा, तहसील व जिला जालोर को संगठन में राष्टीय सचिव नियुक्त किया है।

अजय चौहान जालौर जिला अध्यक्ष रघुनाथ परिहार (अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग, जालौर) का पूर्ण सहयोग करते हुए जालौर जिला कार्यकारिणी का गठन करेंगे और उसे तुरंत प्रभाव से राष्ट्रीय कार्यालय भिजवाएंगे।

जालसू में विशाल निःशुल्क मोतियाबिंद जाँच एवं नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

जालसू (संस्कार सृजन)

शंकरा आई हॉस्पिटल एवं जागृति संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में अल्टीमैट्रिक के सहयोग से CSR गतिविधि के तहत आज

बाबा भागीरथ दास जी की बगीची, मुख्य बस स्टैंड, जालसू में विशाल निःशुल्क मोतियाबिंद जाँच एवं नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि आमेर विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा रहे।

कार्यक्रम में रामचंद्र जांगिड़ ने बताया कि शिविर में कुल 238 मरीजों का पंजीयन हुआ तथा जाँच के बाद 38 मरीजों का निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन के लिए चयन कर उन्हें बस द्वारा शंकरा आई हॉस्पिटल, जयपुर भेजा गया। शिविर में बिना टांके के आधुनिक ऑपरेशन, चश्मा, भोजन, आवास एवं निःशुल्क परिवहन की सुविधा दी गई। चिकित्सा टीम में डॉ. शैलेंद्र कुमार, नर्सिंग स्टाफ प्रमोद सैनी, विजन टेस्टिंग टीम से मौसम व हरप्रीत तथा कैम्प ऑर्गनाइजर इंचार्ज रविंद्र सिंह राठौड़ ने सेवाएं दीं।

मुख्य अतिथि ने इसे जनहित का पुनीत कार्य बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। पूर्व सरपंच रमेश यादव ने कहा कि यह सामाजिक सरोकार का कार्य क्षेत्र के लिए अत्यंत लाभकारी है।

इस अवसर पर कालूराम बुनकर, व्यापार संघ अध्यक्ष विनोद मीणा, सामाजिक कार्यकर्ता शैतान सिंह, चंद्रशेखर शर्मा, दामोदर शर्मा, श्रवण लाल यादव, गोविंद वार्ड पंच, कजोड़ वार्ड पंच, सचिव राम कुमार यादव, किशन मोहन मीणा, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि भैरू यादव, प्रमोद कुमावत, सांवरमल कुमावत, युवा नेता मदन बड़बड़वाल, राजीव गांधी पंचायती राज संस्था के गोवर्धन मीणा, प्रहलाद शर्मा, सोहन यादव, राजेंद्र शर्मा, मेडिकल स्टोर संचालक गोपाल यादव सहित जालसू, सिरसली, मुकुंदपुरा आदि ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

डॉ. दौलत राम माल्या समर्पण संस्था के पुनः निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर (संस्कार सृजन)। गत 16 वर्षों से मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था के पंजीकृत सदस्यों की जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन समर्पण आश्रय केयर भवन ,साँभरिया रोड , सिन्दौली में किया गया। बैठक सेवानिवृत्त आईआरएस डॉ. डी. आर. रेवाला की अध्यक्षता में की गई । संस्था के मुख्य संरक्षक सेवानिवृत्त कर्नल एस एस शेखावत चुनाव अधिकारी के रूप में उपस्थित रहे । मीटिंग की शुरुआत समर्पण प्रार्थना के साथ की गई जिसे कवि राम लाल रोशन ने प्रस्तुत किया।

चुनाव अधिकारी सेवानिवृत्त कर्नल एस एस शेखावत ने तीन वर्षीय कार्यकारिणी पुनर्गठन के लिए सदस्यों से संस्था संविधान के अनुसार किसी एक व्यक्ति का अध्यक्ष पद हेतु नाम प्रस्ताव का आग्रह किया । संस्था के संरक्षक सदस्य रमेश कुमार बैरवा ने डॉ. दौलत राम माल्या के नेतृत्व में किये गये सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए पुनः डॉ. माल्या के नाम का प्रस्ताव रखा और सम्मानीय सदस्य रामावतार नागरवाल ने इसका समर्थन किया । शेखावत साहब ने उपस्थित सदस्यों से अपनी राय व विरोध के बारे में पूछा और सभी उपस्थित सदस्यों ने निर्विरोध डॉ. दौलत राम माल्या को अध्यक्ष निर्वाचित करने का समर्थन किया ।

चुनाव अधिकारी शेखावत व सदस्यों ने सर्व सम्मति से पुनः 3 वर्ष के लिए डॉ. माल्या को अध्यक्ष निर्वाचित कर प्रबन्ध कार्यकारिणी गठित करने की ज़िम्मेदारी दी । डॉ. माल्या ने संस्था सदस्यों का धन्यवाद व आभार व्यक्त करते हुए समर्पित भाव से सेवा करने का प्रण लिया ।

इस अवसर पर संस्था के एज्युकेशनल एम्बेसेडर अभियान,जरूरतमंद विद्यार्थियों के आवेदन और समर्पण आश्रय केयर भवन के पोस्टरों का विमोचन भी किया गया। मंच संचालन योगाचार्य योगी मनीष विजयवर्गीय ने किया ।

राजस्थानी फिल्म 'हमारी बेटियां' 8 मई को होगी रिलीज़

रोजाना जैम सिनेमा जयपुर में होगा एक शो

जयपुर (संस्कार सृजन)

राजस्थानी सिनेमा के दर्शकों के लिए खुशी का समाचार सामने आया है। बहुप्रतीक्षित राजस्थानी फीचर फिल्म हमारी बेटियां का प्रदर्शन 8 मई 2026 से आरंभ होने जा रहा है। यह फिल्म महिला सशक्तिकरण के विषय पर आधारित है, जिसे लेकर दर्शकों में विशेष उत्सुकता देखी जा रही है। फिल्म के निर्देशक उग्रसेन तंवर ने आज होटल ग्रांड सफारी में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि प्रदर्शित होने से पूर्व ही इस फिल्म को लेकर क्षेत्रीय फिल्म उद्योग में सकारात्मक चर्चा हो रही है। इसका प्रथम प्रदर्शन जयपुर स्थित जैम सिनेमा में किया जाएगा। दर्शक 8 मई से 14 मई तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे के शो में फिल्म का आनंद ले सकेंगे। विशेष रूप से इस अवधि में दर्शकों को फिल्म के कलाकारों से प्रत्यक्ष भेंट का अवसर भी प्राप्त होगा। इस फिल्म में रेखा परिहार, ऋषभ साहू, अशोक खडोलिया, संतोष कंवर, सनाया सैनी, विनय देव गौतम, सुभाष सेठ, रमेश मकवाना, विनोद शर्मा बरना, हितेश सोलंकी, दीपक सिंह, माधुरी खंडेलवाल, कलावती पटेल, गौरान्वी शर्मा, सत्यनारायण पाटोदिया, महेश योगी, गोविंदा गुर्जर, चित्रांश गौतम, मुकेश तंवर, गर्वित चौहान, श्याम सुंदर साहू, सीता साहू, मीनाक्षी सेन, शंकर लाल कटारिया, गुरु सुमेर सिंह, भगत सिंह, हरिनारायण साहू, फूलसिंह पिपलाली सहित अनेक कलाकारों ने अभिनय किया है।

स्वयं निर्देशक उग्रसेन तंवर ने भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिल्म की मुख्य अभिनेत्री रेखा परिहार के अनुसार, यह फिल्म समाज में महिलाओं की स्थिति, उनकी चुनौतियों तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में उनके संघर्ष को दर्शाती है। फिल्म के निर्माता गणेश साहू हैं, जबकि सह-निर्मात्री रेखा परिहार हैं। संगीत निर्देशन दिलबर हुसैन द्वारा किया गया है और गीतों में भी उनका योगदान है। फिल्म में कुल पाँच मधुर गीत सम्मिलित किए गए हैं, जो दर्शकों को आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं। तकनीकी टीम में कोरियोग्राफी राजेंद्र राव, मुख्य सहायक निर्देशक ज्योत्सना कौशिक, तकनीकी निर्देशन अनिल सैनी, मेकअप ममता अग्रवाल तथा छायांकन सुरेश खांडल द्वारा किया गया है। यह फिल्म न केवल मनोरंजन प्रदान करेगी, बल्कि सामाजिक संदेश के माध्यम से दर्शकों को प्रेरित करने का भी प्रयास करेगी। प्रेस वार्ता के दौरान राष्ट्रीय करणी सेना के अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत, समाजसेवी पवन गोयल, लक्की कपूर,राकेश मल्होत्रा, शालू सागर, चंद्रशेखर शर्मा, संजय भाटी, अभिनव शर्मा, मुकेश तंवर, शिला खडोलिया सहित कई लोग मौजूद रहे ।

सर्व ब्राह्मण महासभा ने किया आनंद मिश्रा का अभिनंदन

जयपुर (संस्कार सृजन)। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात की बैठक जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा के सानिध्य एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष भंवर शर्मा की अध्यक्षता में नीलकंठ महादेव मंदिर मगध नगर में संपन्न हुई मुख्य संगठन महामंत्री गजानंद शर्मा एवं संगठन मंत्री मुकेश शर्मा ने बताया कि बैठक में सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर आनंद मिश्रा का महासभा का दुपट्टा, साफ़ा एवं भगवान परशुराम की तस्वीर भेंटकर अभिनंदन किया गया । इस अवसर पर सीए बनने पर दीपेश मिश्रा का भी सम्मान किया गया ।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा एवं प्रदेश अध्यक्ष पंडित दिनेश शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आनंद मिश्रा के अनुभव एवं मार्गदर्शन से समाज एवं संगठन प्रगति पथ पर पर अग्रसर होगा । नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए समाज एवं संगठन हित में संकल्पित रहने की बात कही । इस अवसर पर जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंजीता शर्मा, मास्टर श्याम शर्मा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष दीपिका शर्मा, टिंकू शर्मा ,संतोष शर्मा, शायर शर्मा ,मंजू पारीक, कविता शर्मा ,अनीता शर्मा ,योगेश शर्मा, कैलाश शर्मा, बजरंग शर्मा, राजेश मिश्रा ,मुकेश शर्मा, लोकेश शर्मा,संतोष शर्मा, मनीषा शर्मा, विद्या शर्मा, संगीता शर्मा, गुड्डी शर्मा सहित बड़ी संख्या में महासभा पदाधिकारी उपस्थिति रहे ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का बीकानेर दौरा स्थगित

अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं होने के बावजूद दो दिन से चल रही थी तैयारियां, अब बिग्गा में तैयारी

बीकानेर(वि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का प्रस्तावित बीकानेर दौरा स्थगित हो गया। मुख्यमंत्री कार्यालय से अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं होने के बावजूद जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधि पिछले दो दिनों से तैयारियों में जुटे हुए थे। दौरे को लेकर पूरे क्षेत्र में व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई थीं। अब मुख्यमंत्री का श्रीडूंगरगढ़ के बिग्गा में ही आने का कार्यक्रम है। उम्मीद की जा रही है कि मुख्यमंत्री 7 मई को बिग्गा के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री का श्रीडूंगरगढ़ के आड़सर गांव में ग्रामीण रथ- समृद्ध किसान, खुशहाल राजस्थान कार्यक्रम में शामिल होने और रात्रि विश्राम करने का प्रस्ताव था।

इसे लेकर प्रशासन ने हेलिपैड, मंच, सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी जरूरी इंतजाम लगभग पूरे कर लिए थे। गांव को विशेष रूप से सजाया और तैयार किया गया था।

दो दिन से श्रीडूंगरगढ़ में डटे थे पदाधिकारी- कार्यक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी भी लगातार सक्रिय रहे। भाजपा देहात अध्यक्ष श्याम पंचारिया समेत पूरी टीम दो दिन से श्रीडूंगरगढ़ में डेरा डाले हुए थी। यह पूरा दौरा स्थानीय विधायक ताराचंद सारस्वत के नेतृत्व में प्रस्तावित था और वे लगातार समन्वय में लगे हुए थे।

उच्च स्तरीय निरीक्षण भी हुआ था पूरा- कार्यक्रम से पहले कलेक्टर निशान्त जैन, एसपी मृदुल कच्छावा, राज्य मंत्री रामगोपाल सुथार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा भी की थी।

डॉ. सुरेश चंद शर्मा बने प्रेस क्लब वेलफेयर वर्ल्डवाइड फाउंडेशन के जयपुर जिला अध्यक्ष

जयपुर (संस्कार सृजन)

प्रेस क्लब वेलफेयर वर्ल्डवाइड फाउंडेशन ने वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी डॉ. सुरेश चंद शर्मा को जयपुर जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। संस्था द्वारा उनकी नियुक्ति को पत्रकारिता क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव और योगदान का सम्मान माना जा रहा है।

प्रेस क्लब वेलफेयर वर्ल्डवाइड फाउंडेशन, कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय, भारत सरकार से मान्यता प्राप्त एक गैर-लाभकारी संस्था है, जो विश्वभर में पत्रकारों और मीडिया पेशेवरों के कल्याण के लिए कार्यरत है। संस्था का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के कौशल विकास, पेशेवर उन्नति तथा उनके हितों की रक्षा के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर उपलब्ध कराना है। साथ ही प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारिता में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है।

गौरतलब है कि डॉ. शर्मा वर्ष 1977 में जयपुर से यंग स्टार नामक पत्र का संपादन एवं प्रकाशन कर चुके हैं और लंबे समय से पत्रकारिता से जुड़े हुए हैं। उनकी नियुक्ति पर पत्रकार जगत में खुशी की लहर है।नवनियुक्त जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेश चंद शर्मा ने कहा कि एक स्वतंत्र और सशक्त मीडिया के लिए पत्रकारों का कल्याण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि छोटे समाचार पत्रों से जुड़े पत्रकार आज भी देश की वास्तविक आवाज हैं।

डॉ. शर्मा ने बताया कि वर्तमान समय में पत्रकारों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें वित्तीय अस्थिरता, कम वेतन, कार्य के दौरान हिंसा और धमकियां, झूठे मुकदमों में फंसाए जाने का खतरा, कानूनी सहायता का अभाव, तकनीकी पिछड़ापन और संसाधनों की कमी शामिल हैं। साथ ही, राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव भी उनकी कार्यशैली को प्रभावित करता है।

उन्होंने कहा कि कई पत्रकारों को एक साथ रिपोर्टर, कैमरा पर्सन और संपादक की भूमिका निभानी पड़ती है, जो उनके कार्य को और चुनौतीपूर्ण बना देता है। इन समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने सभी प्रेस संगठनों और यूनियनों को एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही राज्य एवं केंद्र सरकार के समक्ष समय-समय पर ज्ञापन प्रस्तुत कर पत्रकारों के अधिकारों और हितों की रक्षा सुनिश्चित करने पर बल दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारों की भूमिका को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

79 की उम्र में कथक नृत्य की परीक्षा देकर बने मिसाल, पोते संग मिलाते हैं ताल

जयपुर के आचार्य पाटोदिया बने हर उम्र के लोगों के लिए बने मिसाल, गायन, वादन और नृत्य तीनों विधाओं में प्राप्त की उपलब्धि

जयपुर (संस्कार सृजन)

जहां आमतौर पर 79 वर्ष की उम्र में लोगों के लिए चलना-फिरना भी चुनौती बन जाता है, वहीं इस उम्र में कथक नृत्य की एमए लेवल की परीक्षा देना किसी मिसाल से कम नहीं है। जयपुर के आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने इस विश्वास को सत्य साबित कर दिया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती।

कथक नृत्य की ड्रेस पहनकर, मेकअप कर परीक्षा देकर जब वे परीक्षा केंद्र से बाहर आए तो हर कोई उनके जज्बे को देखकर आश्चर्यचकित रह गया। आचार्य पाटोदिया कथक में विशारद करने के बाद अब निपुण पार्ट-1 कर रहे हैं और आज ही उन्होंने इसकी प्रैक्टिकल परीक्षा दी है। उम्र के इस पड़ाव पर आकर भी उनका सीखने का उत्साह युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

संगीत की तीनों विधाओं में हैं पारंगत, पोता खुमान पाटोदिया भी है संगीतज्ञ - वे केवल नृत्य ही नहीं, बल्कि संगीत की तीनों विधाओं गायन, वादन और कथक नृत्य में भी उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं। उन्हें भारत के राष्ट्रपति ने सम्मानित किया था। वे नैतिक शिक्षाविद, आध्यात्मिक चिंतक, प्रेरक और मार्गदर्शक के रूप में भी जाने जाते हैं। उन्होंने बताया कि मैं पोते के साथ ताल मिलाकर गायन वादन करता हूं, तो वह भी रोमांचित हो जाता है। उसने मुझे देखकर प्रेरणा ली और अब हम दोनों एक साथ गायन करते हैं और परीक्षा भी देते हैं।

शिक्षा और उपलब्धियां- विद्यार्थी जीवन में उन्होंने विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन से 1969 में एम.कॉम. किया और रजत पदक प्राप्त किया। इसके बाद 1973 में इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकर्स, लंदन की बैंकिंग परीक्षा में विश्व में प्रथम स्थान हासिल कर जॉर्ज रे प्राइज जीतने वाले पहले भारतीय बने। यह रिकॉर्ड आज भी कायम है।

पाटोदिया ने बैंकिंग अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 10 पुस्तकों का लेखन व प्रकाशन किया है। इसके अलावा उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या रोकने के उद्देश्य से डॉक्टरों के लिए भी एक पुस्तक लिखी है।

आध्यात्मिक क्षेत्र में उन्होंने धर्म के वैज्ञानिक स्वरूप पर कई प्रवचन दिए, जो दिशा टीवी पर प्रसारित होते रहे हैं।

उनके यूट्यूब चैनल पर 365 से अधिक वीडियो उपलब्ध हैं।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।
उपसंपादक- रजनीश सैनी